

प्रेषक,

सी० भास्कर,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उरेडा,  
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 23 जनवरी, 2008

विषय:- तोली लघु जल विद्युत परियोजना, क्षमता 100 कि०वा० की ओवर  
हॉलिंग/मरम्मत हेतु वित्तीय एवम् प्रशासनिक स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक अपने पत्र सं०-1967/उरेडा/4(1)/21/तोली/2007, दि०  
-01.11.07 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तोली लघु जल विद्युत  
परियोजना की ओवर हॉलिंग/मरम्मत हेतु आपके उक्त सन्दर्भित पत्र द्वारा कुल आगणित  
धनराशि-41.02 लाख (रु० इकतालिस लाख दो हजार मात्र) के सापेक्ष वित्त विभाग की  
टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु०-39.45 लाख (रु० उनचालिस लाख  
पैंतालिस हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों  
के अधीन प्रदान करते हैं :-

- 1- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी  
से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत/  
अनुमोदित दरों का, जो दरें शीड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा गंजा भाव  
से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी का  
अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है, स्वीकृत  
धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुश्त प्राविधानों को, कार्य करने से पूर्व, विस्तृत ब्यौरा गठित कर सक्षम प्राधिकारी  
से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए  
एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को  
सम्पादित किया जाय।
- 6- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया  
जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया  
जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाय जाय।

कमश:.....

जह 37  
22.01.08

- 8- आगणन में ली गयी मदों की आपूर्ति, बृहद प्रचार-प्रसार के उपरान्त प्रतिस्पर्धात्मक दरो के आधार पर ली जाय।
- 9- परियोजना पर व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय पुस्तिका, स्टोर प्रॉज काल्स, डी0जी0एम0 एण्ड डी0 अथवा टैण्डर/कुटेशन विषयक नियम एवम निःव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती करने के प्रयास किये जायें।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60 ऊर्जा के अन्य स्रोत-800 अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत अंशपोषित योजनायें- 01-लघु जल विद्युत एवम् सुधारित घराट योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता शीर्षक/मद के अन्तर्गत आवंटित धनराशि व प्राप्त केन्द्रांश के सापेक्ष किया जायेगा। यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0-807 दिनांक-21 जनवरी 2008 से प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी0 भारकर)  
अपर सचिव।

संख्या: 126 /1/2007-03(8)/18/05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओबर्सीय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
- 3- टी0ए0सी0 (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-2,
- 5- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एम0एम0 रामवाल)  
अनु सचिव